**Amar Ujala** **Date 02.05.2023**

जागरुकता

सुबह महिला पुलिसकर्मी कक्षाएं लगाकर अपराध से बचाव के लिए कर रहीं प्रेरित

# पुलिस की पाठशाला में सिखाए आत्मरक्षा के गुर

राजीव कुमार

**नई दिल्ली।** सुबह सैर पर निकलने वाले लोगों के लिए पुलिस पाठशाला लगा रही है। इसमें आम शहरियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा रहे हैं। चलते-चलते इनको संकट में फंसते ही निकलने के तरीके बताए जाते हैं। इसमें खास जोर महिलाओं व बुजुर्गों पर है।

सुबह-सवेरे महिला पुलिसकर्मी अपने इलाके के पार्क में जाकर कक्षाएं लगाती हैं। इसमें साइबर खतरों की भी जानकारी लोगों को दी जाती है। बीते दिनों पश्चिम जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह अनूठा तरीका अपनाया गया है। कामयाबी मिलने पर इसका पूरी दिल्ली में विस्तार किया जा सकता है।

सुरक्षा के साथ-साथ अपराध पर लगाम लगाने और लोगों को जागरूक करने के लिए पश्चिम जिला पुलिस ने यह पहल शुरू की है। सुबह इलाके में पुलिस की मौजूदगी और सुबह पार्क में आने वाले लोगों को अपराध को लेकर जागरूक करना इसका मकसद है। इसकी जिम्मेदारी थाना इलाके में तैनात महिला सिपाहियों को दी गई है। महिला सिपाही सुबह सात बजे पार्कों में पहुंच जाती हैं और वहां मौजूद लोगों से मुलाकात करती हैं। इसमें बुजुर्ग और महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है। वह इनके साथ बैठकर बातचीत करती हैं और उनकी समस्याओं को सुनती हैं। फिर उन्हें समस्या के हल का तरीका भी बताती हैं। महिला सिपाही उन्हें आए दिन होने वाले अपराध के तौर तरीके के बारे में बताती हैं और इससे बचने के उपाय के बारे में भी उन्हें जागरूक करती हैं। साथ ही साइबर ठगी के मामलों से बचने के लिए उन्हें तौर तरीका बताती हैं।



अपराध की रोकथाम के लिए दिल्ली पुलिस पार्कों में लगा रही पाठशाला।

## रास्ते में मोबाइल से लेकर दुपट्टे का कैसे करें इस्तेमाल

इस मुहिम से जुड़ी सिपाही सुनीता कहती हैं कि वह इलाके में रहने वाले लोगों को अपराध से बचाव के उपाय बताती हैं। वह घर से निकलने के बाद अपने मोबाइल से लेकर दुपट्टे का कैसे इस्तेमाल करें, इसके बारे में उन्हें जागरूक करती हैं। मसलन, झपटमारी से बचाव के लिए मोबाइल को बाएं तरफ रखने और सोने की चेन पहने होने की स्थिति में दुपट्टे से गले को ठीक से ढकने की सलाह देती हैं। वहीं पुलिस के इन सुझावों को लेकर कमला देवी का कहना है कि इन जानकारियों से उनमें जागरूकता आई है और वह घर से बाहर निकलने के दौरान महिला सिपाहियों की बातों को ध्यान में रखती हैं और खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं।